बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

राजा दाऊद
(भाग 1)

लेखक: Edward Hughes

व्याख्याकार: Lazarus

रूपान्तरकार: Ruth Klassen

अनुवाद: Suresh Kumar Masih

प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

©2017 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

जवान दाऊद अब भाग दौड़ में ही था। राजा शाऊल उसे जान से मारना चाहता था।

दाऊद चार सौ अनुयायियों के साथ एक जंगल की विशाल गुफा में रहता था।

कभी कभी, तो राजा शाऊल के सैनिकों ने लगभग उन्हें ढूंढ़ ही लिया था। परन्तु दाऊद हमेशा अपना जगह बदलता रहा।

एक दिन शाऊल के सेवक, दोग, ने राजा को बताया की पुजारियों ने दाऊद को भगाने में मदद की थी। शाऊल उन्हें मार डालाने का आदेश दिया।

लेकिन केवल दोग ही यह करने के लिए तैयार था! उसने अपनी तलवार से पांच याजकों और उनके परिवारों के साथ - बेरहमी से अस्सी लोगों की हत्या कर दी, वह बहुत ही दुष्ट पुरुष था।

एक दिन,
शाऊल, दाऊद
को ढूंढ़ता हुआ,
दाऊद और
उसके लोग
जहाँ छिपे हुए
थे, उसी गुफा
में पहुंच गया।
शाऊल अकेला
था।

गुफा में, दाऊद आसानी से शाऊल को मार सकता था।

लेकिन वह करीब गया और उसके तेज चाकू से शाऊल के ढीले वस्त्र में से एक टुकड़ा काट लिया।

जब शाऊल चला गया,
तब दाऊद ने उसे
पुकार कर कहा,
देख "मैंने
तुम्हारे बागे
के कोने को काटा है, और, तुम्हें
जान से नहीं मारा अब जान ले
की मेरे हाथ में बुराई और
विद्रोह नहीं है ... "

शाऊल, दाऊद को चोट पहुँचाने की कोशिश के लिए माफी चाहता था। लेकिन जल्द ही उसे वही पुराना क्रोध वापस आया और वह दाऊद को मारने के लिए तीन हजार पुरुषों की एक सेना को भेजा।

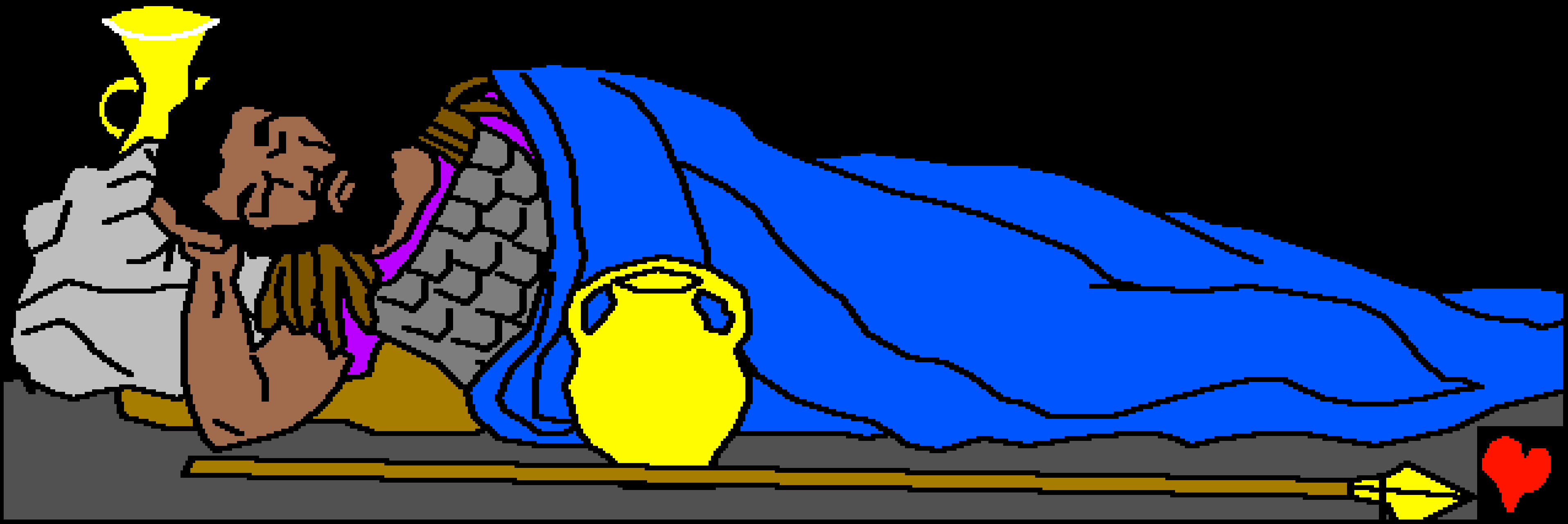

एक रात, जब सेना सो रही थी, तब दाऊद और अबीशै, उसके सैनिकों में से एक ने, कैम्प की जगह जहाँ राजा शाऊल सो रहा था, में आ पहुँचे।

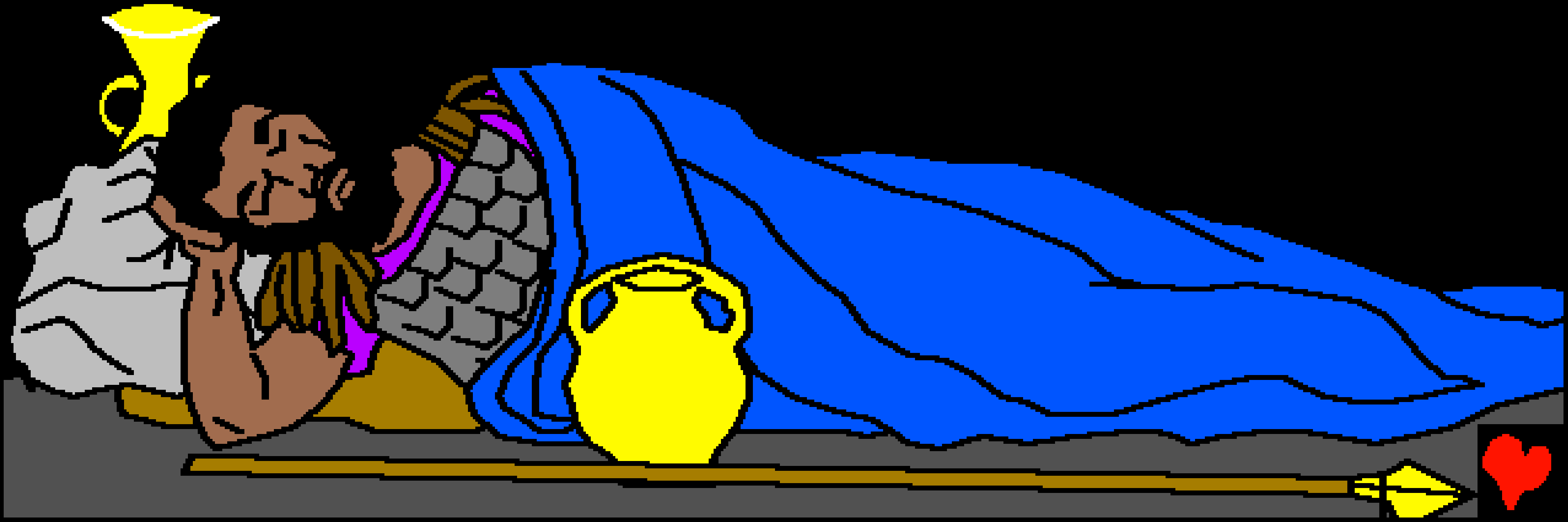

"परमेश्वर ने इस दिन अपने हाथ में हमारे दुश्मन को से दिया है," अबीशै फुसफुसाया। "मै भाला से इसे एक ही बार में आर पार पृथ्वी तक कर देता हूँः ताकि दूसरी बार मुझे इसपर वार न करना पड़े।"

दाऊद ने इससे इनकार कर दिया। शाऊल का भाला और उसका सुराही लेकर वहां से चला गया। दाऊद ने एक पहाड़ी से चिल्लाया जबतक की शाऊल उसे सुना न ले। एक बार फिर शाऊल ने यह जान लिया की दाऊद उसे मार सकता था लेकिन वह ऐसा नहीं किया।

एक बार फिर, दाऊद को चोट पहुँचाने की कोशिश के लिए माफी चाहता था। लेकिन दाऊद जानता था, इस लिए उसने शाऊल के शब्दों पर विश्वास नहीं किया।

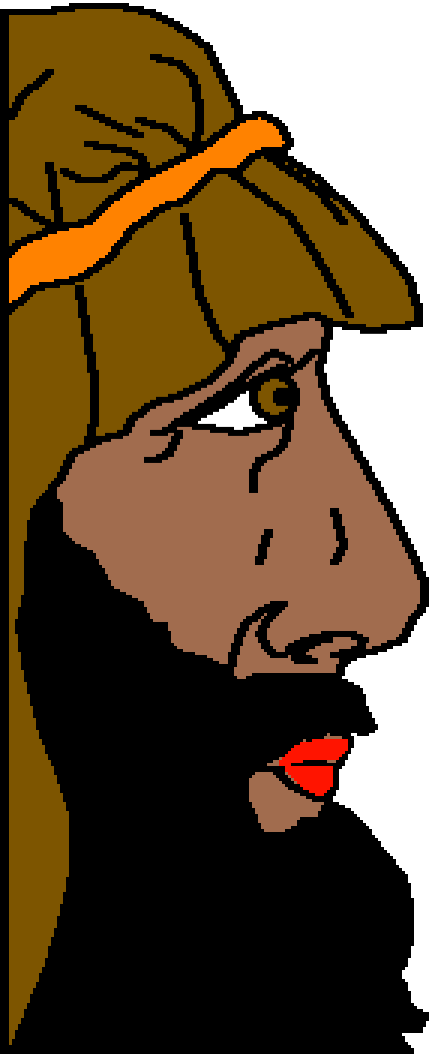

अब शमूएल की मृत्यु हो गयी थी। वह नबी था जिसे परमेश्वर ने इस्राएल के राजा के रूप में पहले शाऊल, और फिर दाऊद का अभिषेक करने के लिए कहा था। पलिश्तियों ने जब इस्राएल पर हमला किया तब, शाऊल ने कुछ ऐसा भयानक काम किया जिसे परमेश्वर सख्त मना किया था।

उसने एक महिला को तैयार किया कि वह शमूएल को मृतकों में से पुकार कर बुलाये। उस रात, शाऊल को एक संदेश मिला।

"... प्रभु ने तुम्हे त्याग दिया है और तुम्हारा वह दुश्मन बन गया है ... । प्रभु ने इस राज्य को तुम्हारे हांथो से लेकर, तुम्हारे पड़ोसी, अर्थात् दाऊद को दे दिया है। कल, तुम और तुम्हारा पुत्र मेरे साथ होगे।

परमेश्वर इस्राएल की सेना को वितरित करेगा और पलिश्तियों के हाथ में दे देगा।" जब शाऊल ने यह सुना वह डर से अस्त पश्त हो गया।

पलिश्तियों ने इसराइल
के खिलाफ लड़ाई लड़ी,
और इस्राएल के
पुरुष वहां से
भाग लिए।

पलिश्तियों ने योनातान,
दाऊद के अच्छे दोस्त,
शाऊल के
पुत्रों को भी
मार डाला।

शाऊल गंभीर रूप से तीरंदाजों द्वारा घायल हो गया था। उसने अपने हथियार ढोनेवाले से कहा, "मेरी तलवार से मुझे मार डाल, कहीं ऐसा न हो कि मै इन दुष्ट पुरुषों के हाँथ में आ जाऊँ और वे मुझसे दुर्व्यवहार करें और गालियाँ दें और मार डालें।"

लेकिन उसका हथियार ढोनेवाला बहुत डर गया। तब, शाऊल ने एक तलवार ली और उस पर गिरा।

शाऊल और उसके पुत्र का शव ढूँढने के बाद, पलिश्तियों ने कब्जा किये हुए इस्राएल की एक शहर की दीवार के निकायों के साथ उन्हें बांध दिया।

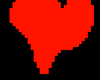

कुछ बहादुर इस्राएलियों ने शवों को बचाया, वे उन्हें घर ले गये और इस्राएल में अवशेष को दफनाने से पहले उन्हें जला दिया।

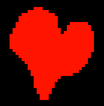

जब दाऊद ने इस भयानक खबर को सुना, वह विलाप करने और रोने लगा और शाऊल के बेटे योनातान, यहोवा के लोगों के इस्राएलियों लिए के लिए शाम तक उपवास किया, क्योकि वे तलवार से घात किये गए थे।

हालांकि शाऊल, दाऊद को मारने के लिए तत्पर कोशिश की थी, फिरभी दाऊद अंत तक परमेश्वर के अभिषिक्त शाऊल को सम्मान दिया।

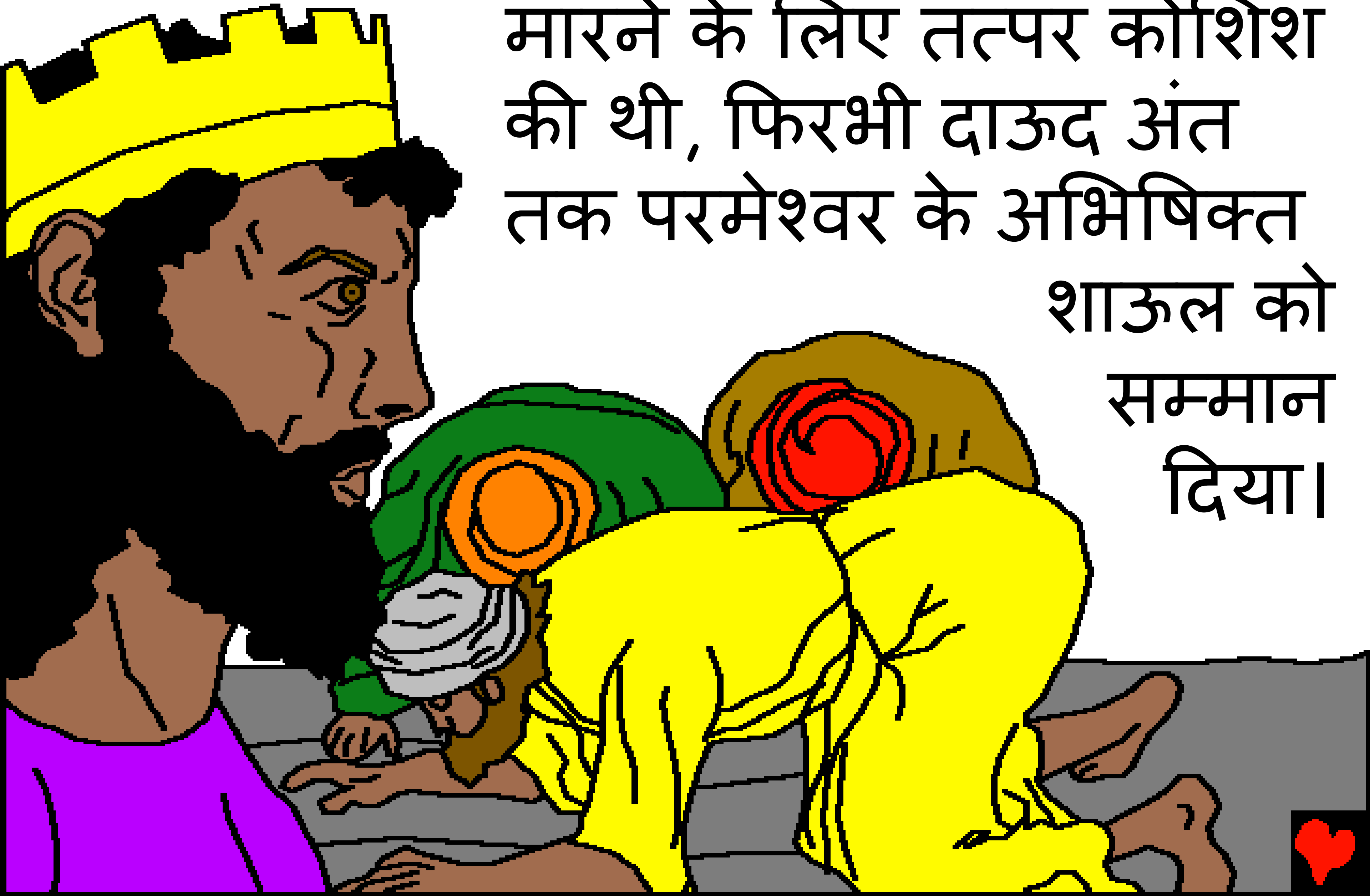

अब परमेश्वर ने दाऊद को सम्मानित किया और उसे शाऊल के स्थान पर राजा बना दिया।

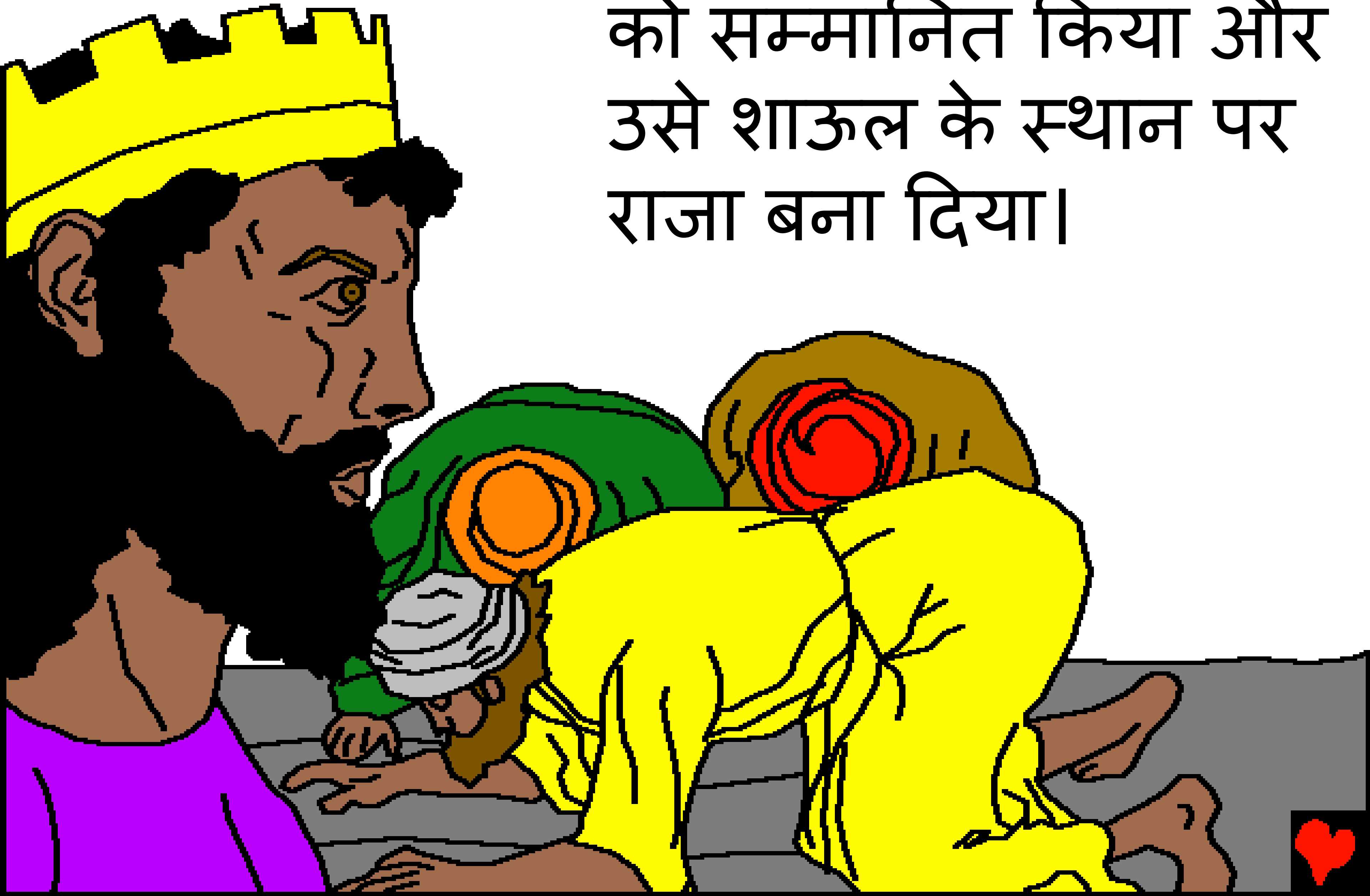

राजा दाऊद (भाग 1)

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

1 शमूएल 24-31, 2 शमूएल 1-2

"जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।"
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16